अगले वर्ष रफ्तार पकड़ सकती है ईवी क्रांति

वर्ष 2024 के दौरान कई दिग्गज कार कंपनियां भारत के लिए निर्मित अपना पहला ईवी करेंगी लांच

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: वर्ष 2023 के पहले 11 महीनों में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री 50 प्रतिशत बढ़कर 13.87 लाख इकाई रही हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2030 तक भारत में सालाना एक करोड़ ईवी की बिक्री होगी। सिर्फ पांच वर्षों में भारत में ईवी उद्योग की न सिर्फ एक मजबूत नींव पड़ चुकी है बल्कि तमाम अध्ययन यह बताते हैं कि भारत अगले एक दशक में दुनिया में ईवी उद्योग के सप्लाई चेन के एक अहम केंद्र के तौर पर स्थापित होगा। नई दिल्ली में पिछले सप्ताह समाप्त हुआ ईवी एक्सपो यह बताता है कि भारत ईवी उद्योग में नए अन्वेषण का केंद्र बन रहा है। यहां के ईवी बाजार को गढ़ने में सिर्फ दिग्गज कंपनियों ही नहीं लगी हैं, बल्कि मझोली व छोटी कंपनियां और स्टार्टअप की तैयारियां भी इस उद्योग के बेहतर भविष्य की तरफ इशारा करती हैं।

13.87 लाख ईवी की बिक्री हो चुकी है 2023 के पहले 11 महीनों में

01 करोड़ ईवी की सालाना बिक्री होने का अनुमान है वर्ष 2030 तक देश में

मझोली व छोटी कंपनियों और स्टार्टअप से घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन बाजार को बढ़ने में मिल रही मदद

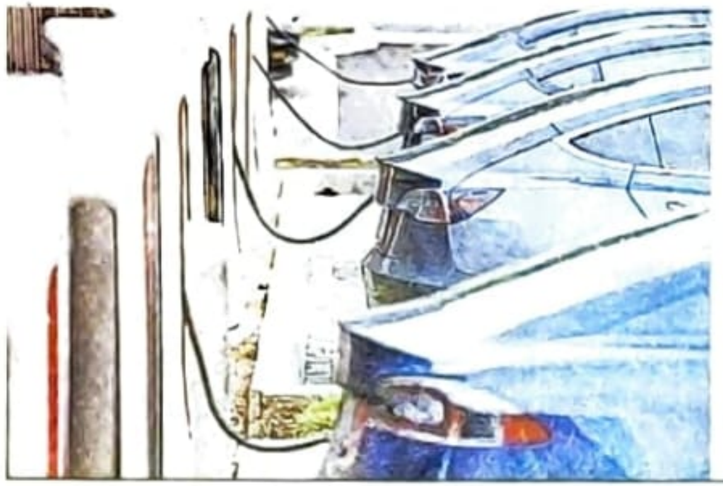

स्टार्टअप दे रहे ईवी क्रांति को नई ऊंचाई

भारतीय ईवी क्रांति को सही मायने में नई ऊंचाई देने का काम इस उद्योग से जुड़े स्टार्टअप कर रहे हैं। देश में एथर इनर्जी, अल्टीग्रीन, ब्लूस्मार्ट, एक्सपोनेंट एनर्जी जैसे एक हजार से ज्यादा स्टार्टअप हैं जो ईवी क्रांति को आगे बढ़ा रहे हैं। ये शहरों में इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक तिपहिया की आपूर्ति करने से लेकर छोटे-बड़े ईवी में इस्तेमाल होने वाली बैटरी की क्षमता बढ़ाने, चार्ज बैटरी को स्वैप करने और दूर-दराज के क्षेत्रों में ईवी की पहुंच बनाने का काम कर रहे हैं। कम से कम दो दर्जन स्टार्टअप तो सिर्फ मेड इन इंडिया उत्पाद बनाने से संबंधित हैं। इन कंपनियों के बदौलत ही अगर आप ईवी दोपहिया वाहन चलाते हैं तो शीघ्र ही भारत निर्मित ऐसे उपकरण मिलेंगे जो आपके वाहन की माइलेज 20 प्रतिशत तक बढ़ा देंगे।

2030 तक बढ़ेगी ईवी की हिस्सेदारी

इस क्रांति के बदौलत ही देश के कुल आटोमोबाइल बाजार में ईवी की हिस्सेदारी में भी वर्ष 2024-2025 से तेजी से बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। शोध एजेंसी इक्रा की रिपोर्ट कहती है कि कुल कारों में इलेक्ट्रिक कारों की मौजूदा एक प्रतिशत की हिस्सेदारी दो वर्षों में चार प्रतिशत और वर्ष 2030 तक 15 प्रतिशत हो जाएगी। इसी तरह, दोपहिया वाहनों में इलेक्ट्रिक की हिस्सेदारी मौजूदा पांच प्रतिशत से बढ़कर बढ़कर दो वर्षों में 15 प्रतिशत व 2030 तक 30 प्रतिशत हो जाएगी। सबसे ज्यादा बदलाव तीनपहिया वाहन बाजार में दिखाई देगा, वहां बिजली से चालित वाहनों की हिस्सेदारी मौजूदा सात प्रतिशत से बढ़कर 2030 तक 40 प्रतिशत हो जाएगी।

अगर सिर्फ दिग्गज कार कंपनियों की बात करें तो वर्ष 2024 में देश की दो प्रमुख कार कंपनियां हुंडई और टाटा मोटर्स के बेहद महत्वाकांक्षी ईवी माडल लांच होने वाले हैं। भारत के ईवी बाजार में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी (तकरीबन 75 प्रतिशत) रखने वाली टाटा मोटर्स अगले महीने अपनी सबसे सस्ती ईवी लाने की तैयारी कर रही है। इस लांचिंग के लिए ही हाल ही में कंपनी ने ईवी के लिए विशेष शोरूम नेटवर्क तैयार करने की शुरुआत कर ती है। ईवी बाजार में टाटा मोटर्स की यह सिर्फ छोटी सी झलक है। कंपनी की कम से कम तीन इलेक्ट्रिक कारें अगले वर्ष भारत में आने वाली हैं। इसके अलावा, देश की दूसरी सबसे बड़ी कार कंपनी हुंडई मोटर इंडिया की भारतीय बाजार के लिए बनाई गई पहली एसयूवी ईवी 2024 की पहली छमाही में लांच होने जा रही है। किआ मोटर्स भी इस दौड़ में है लेकिन भारतीय ग्राहकों के लिए उसकी पहली एसयूवी वर्ष 2025 के शुरुआत में लांच करने की तैयारी है। महिंद्रा भी इलेक्ट्रिक कार वर्ष 2024 के त्योहारी सीजन के आस-पास लांच करने की योजना बना रही है।